Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(3), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

# बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता में ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह की उभरती भूमिका

**डॉ. सुधा यादव ,** सहायक प्राध्यापक, शासकीय नवीन महाविद्यालय बेलौदी (छ.ग.)
**डॉ. के.एन. दिनेश ,** विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई (छ.ग.)

## शोध सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता में ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह की उभरती भूमिका पर आधारित है। बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता के लिए पूरे देश में अनेक तरह की योजनाएं केन्द्र एंव राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही है जिससे महिलाओं को शिक्षित कर सामाजिक व आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। शिक्षा के बिना व्यक्ति का विकास संभव नहीं है। शिक्षा का विकास ही समाज को आर्थिक विकास की ओर ले जाता है जिसके द्वारा बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त करने के रास्ते खुलते हैं जिससे आर्थिक स्वतंत्रता व अच्छा जीवन स्तर प्राप्त होता है। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ में बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता में ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह भी निरंतर कार्यरत है। ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह एक निजी स्वैच्छिक संस्था है जिसे महिला कमाण्डो के नाम से भी जाना जाता है जिसमें केवल महिलाएं कार्यरत हैं व अपना निःस्वार्थ योगदान दे रही हैं जिसमें ये बालिका शिक्षा व महिला साक्षरता के लिए लोगों को बालिका शिक्षा का महत्व समझाकर, बच्चों को स्कूल तक पहुंचाकर व पाठ्य सामग्री वितरित कर तथा सरकार द्वारा साक्षरता के लिये चलाये जा रहे योजनाओं में सहयोग कर कार्य करती है।

प्रस्तुत शोध में छत्तीसगढ़ राज्य के बालोद जिले के गुण्डरदेही तहसील के चार गांव भांठागांव, बेलौदी, चिचलगोंदी, व सरेखा को उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति के द्वारा ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह एवं सामान्य ग्रामीण महिलाओं के 80 – 80 कुल 160 लोगों का उत्तरदाताओं के रूप में चयन किया गया तथा तथ्यों के संकलन के लिए साक्षात्कार अनुसूची एवं अवलोकन पद्धति का उपयोग किया गया है। तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता दिशा में ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह का सराहनीय योगदान रहा है।

**मुख्य शब्द :– बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता, स्वैच्छिक संगठन ,महिला सुरक्षा समूह।**

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(3), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

## प्रस्तावना :–

प्रस्तुत शोध पत्र में बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता में ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह की भूमिका का अध्ययन किया गया है। सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए महिलाओं की साक्षरता व बालिका शिक्षा महत्वपूर्ण है जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। इससे लिंगभेद की अंतर में कमी होगी । सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया जा रहा है । योजनाओं के सफलीकरण में ग्रामीण एवं शहरी स्तर पर गैर सरकारी संगठनों से मिलकर महिला सुरक्षा समूह अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही है। इसी तारतम्य में बालोद जिला के गुण्डरदेही तहसील की एक पंजीकृत सहकारी संस्था जो महिला सूरक्षा समूह के नाम से जानी जाती है, बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता पर सतत् रूप से कार्य करते हुए शिक्षा के महत्व के प्रति पाठ्य सामग्री वितरण कर व रात्रिकालीन कक्षाएं लगाकर लोगो को जागरूक कर रही हैं।

महिला शिक्षा के मुद्दे में समाज की सुधारवादी आंदोलन और महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने में राष्ट्रवादी आंदोलन का योगदान रहा है।[1] शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को प्राप्त करने और आने वाली समस्याओं व संभावनाओं की व्याख्या करता है कि शिक्षा के माध्यम से ही महिला वर्ग अपनी सभी समस्याओं को समाप्त कर सशक्तीकरण के मार्ग पर आगे बढ़ सकती है।[2] शिक्षा को महिला सशक्तीकरण के लिए एक मील का पत्थर माना जाता है क्योंकि यह उन्हें चुनौतियों का जवाब देने व पारंपरिक भूमिका का सामना करने और उनके जीवन को बदलने में सक्षम बनाता है।[3] महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये सरकारी और गैर सरकारी नीतियों की भूमिका का अध्ययन किया गया जिसमें यह पाया गया कि महिलाओं को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकता है।[4] शिक्षा व्यक्ति को आगे बढ़ाने के लिये आवश्यक है जो अनेक संभावनाए प्रदान करता है।[5]

## अध्ययन के उद्देश्य :–

1. बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता की स्थिति को ज्ञात करना ।
2. ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह द्वारा बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता के लिए किये गये कार्यों एवं योगदान को ज्ञात करना।

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(3), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

**उपकल्पना :–**

1. ग्रामीण समुदायों में बालिका एवं महिला साक्षरता की दर में वृद्धि हुई है।
2. ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह द्वारा बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता के कार्य से महिला शिक्षा के प्रति लोग जागरूक हुए है।

**तथ्य संकलन एवं उपकरण प्रविधियां :–**

प्रस्तुत शोध पत्र में छत्तीसगढ़ राज्य के बालोद जिले के गुण्डरदेही तहसील के चार गांवों का चयन किया गया है जिसमें चयनित गांव है– भांठागांव, बेलौदी, चिचलगोंदी, व सरेखा। गुण्डरदेही तहसील के इन चार गांव में 80 महिला कमांण्डो एवं 80 ग्रामीण महिला उत्तरदाता कुल 160 उत्तरदाताओं का चयन उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति के आधार पर किया गया है। साक्षात्कार अनुसूची एवं अवलोकन प्रविधि के द्वारा तथ्यों का संकलन किया गया है।

चयनित उत्तरदाताओं से प्राप्त तथ्यों का विश्लेषण निम्नानुसार प्रस्तुत है –

**तालिका कमांक–1**

**महिला कमाण्डो उत्तरदाताओं की आयु**

| क. | आयु वर्षों में | आवृत्ति | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | 25 से 35 | 22 | 27.5 |
| 2. | 36 से 45 | 28 | 35 |
| 3. | 46 से 55 | 19 | 23.8 |
| 4. | 56 से 65 | 11 | 13.7 |
| | योग | 80 | 100 |

**तालिका कमांक–1.1**

**ग्रामीण महिला उत्तरदाताओं की आयु**

| क. | आयु वर्षों में | आवृत्ति | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | 25 से 35 | 29 | 36.3 |
| 2. | 36 से 45 | 27 | 33.7 |
| 3. | 46 से 55 | 15 | 18.7 |
| 4. | 56 से 65 | 09 | 11.3 |
| | योग | 80 | 100 |

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(3), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

तालिका कमांक–2

ग्रामीण महिला उत्तरदाताओं की शिक्षा

| क. | शिक्षा | आवृत्ति | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | प्राथमिक | 11 | 13.7 |
| 2. | माध्यमिक | 14 | 17.5 |
| 3. | उच्चतर माध्यमिक | 19 | 23.7 |
| 4. | स्नातक | 18 | 22.6 |
| 5. | स्नातकोत्तर | 12 | 15 |
| 6. | निरक्षर | 06 | 7.5 |
| | योग | 160 | 100 |

तालिका कमांक–3

बालिका शिक्षा प्रोत्साहन के कार्य

| क. | कार्य | आवृत्ति | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | बालिका शिक्षा का महत्व समझाकर | 75 | 46.8 |
| 2. | बच्चों को स्कूल तक पहुंचाकर | 32 | 20 |
| 3. | पाठ्य सामग्री वितरित कर | 53 | 33.2 |
| | योग | 160 | 100 |

तालिका कमांक–4

महिला साक्षरता की दिशा में किये जाने वाले कार्य

| क. | महिला साक्षरता के कार्य | आवृत्ति | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | महिलाओं को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक कर | 71 | 44.4 |
| 2. | सरकार द्वारा साक्षरता के लिए चलाये जा रहे योजनाओं में सहयोग कर | 64 | 40 |
| 3 | साक्षरता के लिए रात्रिकालिन कक्षाएं लगाकर | 25 | 15.6 |
| | योग | 160 | 100 |

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(3), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

**तालिका कमांक–5**

**महिला कमाण्डो द्वारा बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता में किये गये प्रयासों में सफलता पर ग्रामीण महिलाओं के विचार**

| क. | सफलता | आवृत्ति | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | पूर्ण रूप से | 34 | 42.5 |
| 2. | आंशिक रूप से | 39 | 48.8 |
| 3. | ना के बराबर | 07 | 8.7 |
| | योग | 80 | 100 |

**परिणाम एवं विश्लेषण :–**

तालिका–1 में महिला कमाण्डो उत्तरदाताओं की आयु से प्राप्त तथ्यो के विश्लेषण से स्पष्ट है कि कुल चयनित उत्तरदाताओं में सबसे अधिक आयु समूह वाली महिलाएं 35% है जो 36 से 45 वर्ष की हैं, 27.5% महिलाएं 25 से 35 वर्ष तथा 23.8% समूह 46 से 55 वर्ष की है व सबसे कम 13.7% महिलाएं 56 से 65 वर्ष की हैं इससे स्पष्ट है कि बालिका शिक्षा व महिला साक्षरता में 36 से 45 वर्ष की महिलाओं का योगदान सर्वाधिक है।

तालिका–1.1 में ग्रामीण महिला उत्तरदाताओं की आयु सम्बन्धी तथ्यों के विश्लेषण किया गया है जिससे ज्ञात हुआ है कि कुल ग्रामीण महिला उत्तरदाताओं में 36.3% सबसे अधिक आयु समूह वाली महिलाएं 25 से 35 वर्ष की हैं, 36 से 45 वर्ष व 46 से 55 वर्ष की महिलाओं का प्रतिशत कमशः 33.7% व 18.7% हैं, सबसे कम आयु समूह वाली महिलाएं 56 से 65 वर्ष की हैं जिनका प्रतिशत 11.3 है।

तालिका–2 में सामान्य ग्रामीण महिलाओं की शिक्षा सम्बन्धी तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि चयनित ग्रामीण महिलाओं में उच्चतर माध्यमिक, स्नातक, माध्यमिक, स्नातकोत्तर व प्राथमिक स्कूल शिक्षा उत्तीर्ण है जो कमशः 23.7, 22.6, 17.5, 15 व 13.7 प्रतिशत है। सबसे कम 7.5% उत्तरदाता निरक्षर हैं इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण महिलाओं में शिक्षा की स्थिति अच्छी है व महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त किये हैं।

तालिका–3 में बालिका शिक्षा प्रोत्साहन के कार्य संबंन्धी प्राप्त तथ्यो के विश्लेषण से स्पष्ट है कि ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह की महिलाएं बालिका शिक्षा प्रोत्साहन के कार्य करती है जिसमें कुल चयनित उत्तरदाताओं में 46.8% लोगों को बालिका शिक्षा के महत्व समझाकर,

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(3), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

33.2% पाठ्य सामग्री वितरित कर व 20% बच्चों को स्कूल तक पहुंचाकर प्रोत्साहन के कार्य करती हैं।

तालिका–4 में महिला साक्षरता की दिशा में किये जाने वाले कार्य सम्बन्धी तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह द्वारा महिला साक्षरता के कार्य किये जाते हैं जिसमें कुल उत्तरदाओं में से 44.5% महिलाओं को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक कर, 40% सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं में सहयोग कर व 15.6% साक्षरता के लिए रात्रिकालीन कक्षाएं लगाकर साक्षरता के कार्य करती है।

तालिका–5 में महिला कमाण्डो द्वारा बालिका शिक्षा व महिला साक्षरता में किये गये प्रयासों में सफलता पर सामान्य ग्रामीण महिलाओं के विचार सम्बन्धी तथ्यों का विश्लेषण किया गया है जिसमें कुल चयनित उत्तरदाताओं में 48.8% के अनुसार महिला कमाण्डो के कार्यों से उन्हें आंशिक रूप से, 42.5% के अनुसार पूर्ण रूप से व 8.7% के अनुसार न के बराबर सफलता मिली है इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह द्वारा बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता के कार्य में सफलता मिली है।

**उपकल्पना का परीक्षण–**

H1 ग्रामीण समुदायों में बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता के दर में वृद्धि हुई है।

तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि ग्रामीण महिलाओं के द्वारा बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता के कार्य किये गए जिससे समाज में जागरूकता आयी है व ग्रामीण समुदायों में बालिका शिक्षा व महिला साक्षरता की दर में वृद्धि हुई है अतः यह उपकल्पना स्वीकृत की गई।

H2 ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह द्वारा बालिका शिक्षा एवं महिला साक्षरता के कार्य से महिला शिक्षा के प्रति लोग जागरूक हुए है।

तथ्यों के विश्लेषण से स्पष्ट है कि ग्रामीण महिला सुरक्षा समूह द्वारा लोगों को बालिका शिक्षा के महत्व समझाकर, पाठ्य सामग्री वितरित कर, सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं में सहयोग कर व महिलाओं को शिक्षा के महत्व समझाकर जागरूक किया। अतः यह उपकल्पना स्वीकृत की गई।

Cover Page

INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY EDUCATIONAL RESEARCH
ISSN:2277-7881(Print); IMPACT FACTOR :10.16(2026); IC VALUE:5.16; ISI VALUE:2.286
PEER REVIEWED AND REFEREED INTERNATIONAL JOURNAL
(Fulfilled Suggests Parameters of UGC by IJMER)
Volume:15, Issue:1(3), January 2026
Scopus Review ID: A2B96D3ACF3FEA2A
Article Received: Reviewed: Accepted
Publisher: Sucharitha Publication, India
Online Copy of Article Publication Available: www.ijmer.in

## संदर्भ :–

1. इला पटेल (1985) भारत में समकालीन महिला आंदोलन और महिला शिक्षा, शिक्षा की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा 44 (2), पेज नं. 155–157 ।
2. बीना डोमेनिक, सी अमृता जोथी (2008) शिक्षा–महिला सशक्तीकरण का एक उपकरण केरल समाज पर आधारित ऐतिहासिक अध्ययन, विकास, 5, utham citeseerx. Ist. Psu.edu.
3. सुजन्या शेट्टी, वी हंस (2015) महिला सशक्तीकरण और विकास मे शिक्षा की भूमिका :मुद्दे और प्रभाव, (26 सितम्बर 2015)।
4. रूही राशिद (2016) जम्मू और कश्मीर में महिला शिक्षा को बढावा देने के लिए सरकारी और गैर–सरकारी नीतियों की भूमिका, अमेरिकन जनरल ऑफ आर्ट एण्ड डिजाइन 1 (1), पेज नं. 21–25 ।
5- अर्शिमा चंपा दोस्त, पैगी फ्रोएर (2021) शिक्षा, आकांक्षा और आयु बढना : ग्रामीण छत्तीसगढ, भारत में आगे आंदोलन को सुविधाजनक बनाने में स्कूली शिक्षा की भूमिका, द यूरोपियन जनरल ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च 33 (1), पेज नं. 109–129 ।